SWAच्छ VAARTA

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मार्च-अप्रैल 2026 संस्करण

स्वच्छ भारत मिशन- शहरी 2.0 न्यूजलेटर

विषय

04 पीएम ने आर्थिक विकास पर पोस्ट-बजट वेबिनार की अध्यक्षता की

05 बजट (2026-27)

06 केंद्रीय मंत्री ने किया शहरी विकास पर चर्चा का नेतृत्व

07 राज्य मंत्री की राज्यों के साथ चर्चा

08 17th NAARC मीटिंग्स

09 नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 1 अप्रैल से प्रभावी

मार्च-अप्रैल 2026 संस्करण

10 स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 का फील्ड मूल्यांकन शुरू

11 कार्यान्वयन को गति देने हेतु MOHUA का प्रोत्साहन

14 प्लैनेट और प्रोस्पैरिटी पर SDG बुलेटिन रिपोर्ट

16 **ग्राउंड एक्शन**
स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में राज्य-स्तरीय नीतिगत प्रगति

17 लेगेसी वेस्ट रेमेडिएशन

18 स्वच्छ शहर जोड़ी

20 नारी लीड्स स्वच्छता

23 सोशल मीडिया ट्रेंड्स

24 स्वच्छता खबरों में

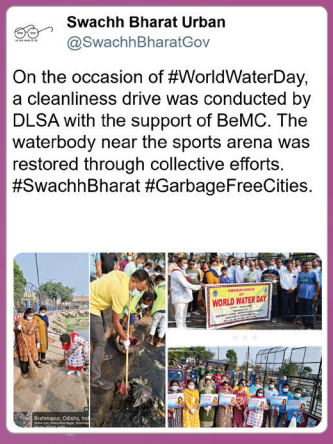

पीएम ने आर्थिक विकास पर पोस्ट-बजट वेबिनार की अध्यक्षता की

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 3 मार्च 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'आर्थिक विकास को बनाए रखना और सुदृढ़ करना' विषय पर बजट-पश्चात वेबिनार को संबोधित किया।

इस विषय के अंतर्गत, चार अलग-अलग वेबिनार सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया:

(i) विनिर्माण, औद्योगिक उन्नयन और रणनीतिक क्षेत्र

(ii) MSME, वित्त और बाज़ार तक पहुँच

(iii) शहरी आर्थिक क्षेत्र और

(iv) बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई

बजट के बाद हुए वेबिनार में औद्योगिक पैमाने को बढ़ाने, तकनीकी नेतृत्व को गहराई देने और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की नींव मज़बूत करने के लिए भविष्य-उन्मुखी सुधारों पर ज़ोर दिया गया। चर्चाओं का मुख्य केंद्र इन प्राथमिकताओं को प्रभावी कार्यों में बदलना था, जिसमें उद्योग जगत के उन प्रतिभागियों की अंतर्दृष्टि से मार्गदर्शन लिया गया, जिनका ज़मीनी अनुभव इन सुधारों के अधिक प्रभावी कार्यान्वयन में सहायक सिद्ध हो रहा है।

बजट (2026-27)

"The Union Budget is a "vision document" that will guide the country's development over the next 25 years. The focus is on infrastructure development, industrial expansion and employment generation within the country, and the inclusive growth by supporting deserving sections of society, including the poor, women and the underprivileged."

Union Minister,
Shri Manohar Lal Khattar

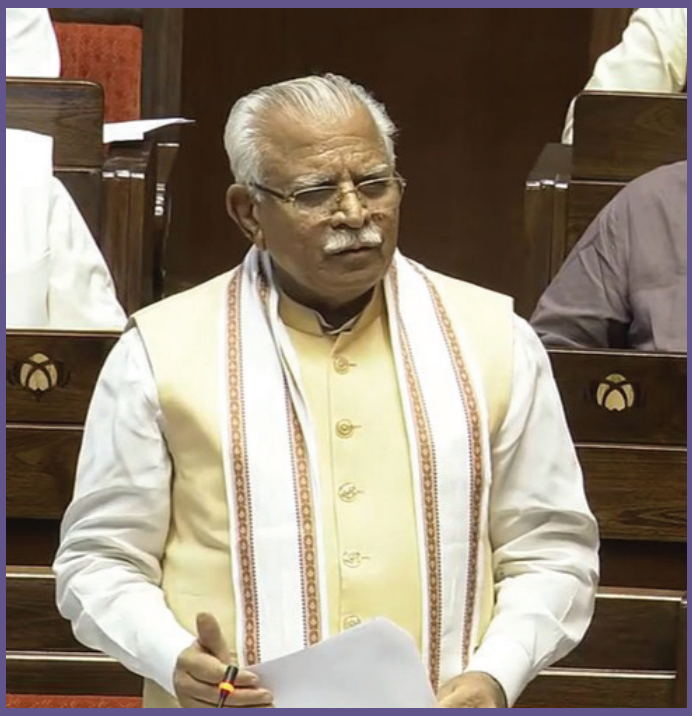

- प्रत्येक पहचान किए गए सिटी इकोनॉमिक रीजन (CER) के लिए पाँच वर्षों में ₹5,000 करोड़ का आवंटन, ताकि टियर-2, टियर-3 शहरों और तीर्थ नगरों में आधुनिक बुनियादी ढांचा और मूलभूत सुविधाएँ विकसित की जा सकें।
- बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड।
- इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विकास पर जोर, जिसमें वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजीगत व्यय बढ़ाकर ₹12.2 लाख करोड़ किया गया है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख परियोजनाओं को गति मिल सके।
- ₹1000 करोड़ से अधिक के एकल बॉन्ड निर्गम पर ₹100 करोड़ का प्रोत्साहन, जिससे म्यूनिसिपल बॉन्ड को बढ़ावा मिले।
- कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, जिसमें CBG और संबंधित उपकरणों पर 5% GST दर शामिल है।
- विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्च स्तरीय समिति, ताकि वित्तीय क्षेत्र को भारत के अगले विकास चरण के साथ संरेखित किया जा सके।
- 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों को ULBs एवं आपदा प्रबंधन के लिए ₹1.4 लाख करोड़ का अनुदान।
- मानव संसाधन सेवाओं की आपूर्ति पर स्रोत पर कर संग्रह (TCS) को घटाकर 1% या 2% करना।
- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, अरुक्का वैली और पोधिगई मलई में पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ ट्रेकिंग और हाइकिंग ट्रेल्स का विकास।
- स्वयं सहायता उद्यमी मार्ट (SHE Marts) — महिलाओं उद्यमियों को समर्थन देने के लिए, जहाँ उन्हें विपणन, उत्पाद बिक्री, प्रशिक्षण और व्यवसाय वृद्धि के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने किया शहरी विकास पर चर्चा का नेतृत्व

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की, जहां उन्होंने शहरी विकास पर चर्चा की।

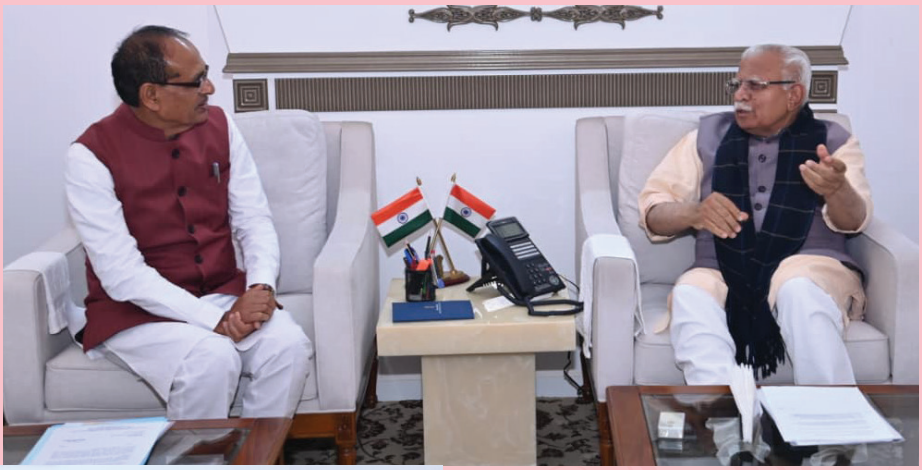

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 26 फरवरी 2026 को राज्य से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करने के लिए राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन से मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 25 फरवरी, 2026 को 'म्युनिसिपालिका 2026 – 18वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन' को संबोधित किया। यहां उन्होंने स्थायी शहरी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ संवाद किया और 'स्वच्छता सेतु' (Swachhta Setu) ऐप भी लॉन्च किया।

MoHUA के केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 28 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की। मुलाकात का उद्देश्य ई-कचरा रीसाइक्लिंग आपूर्ति श्रृंखला की समीक्षा करना था, जिसमें कचरा संग्रहण को मजबूत बनाने, रीसाइक्लिंग क्षमता बढ़ाने और कचरे के जिम्मेदार निपटान को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया।

राज्य मंत्री की राज्यों के साथ चर्चा

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 20 फरवरी 2026 को DAY-NULM टीम के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्य परिणामों और चुनौतियों का आकलन किया गया, जिसमें उत्तर-पूर्व भारत में महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की आजीविका मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 20 फरवरी को नई दिल्ली में संयुक्त सचिव श्री गुरजीत सिंह ढिल्लों के साथ अर्बन चैलेंज फंड (UCF) के दिशा-निर्देशों की समीक्षा की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र शहरी सुधार, वित्तीय स्थिरता और प्रमुख चुनौतियां रहीं। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को सशक्त बनाने के साथ-साथ समान एवं समावेशी शहरी विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 8 मार्च 2026 को नई दिल्ली में 'फिट इंडिया कार्निवल 2026' में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे यह अभियान स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने वाले एक राष्ट्रव्यापी 'जन आंदोलन' के रूप में विकसित हुआ है।

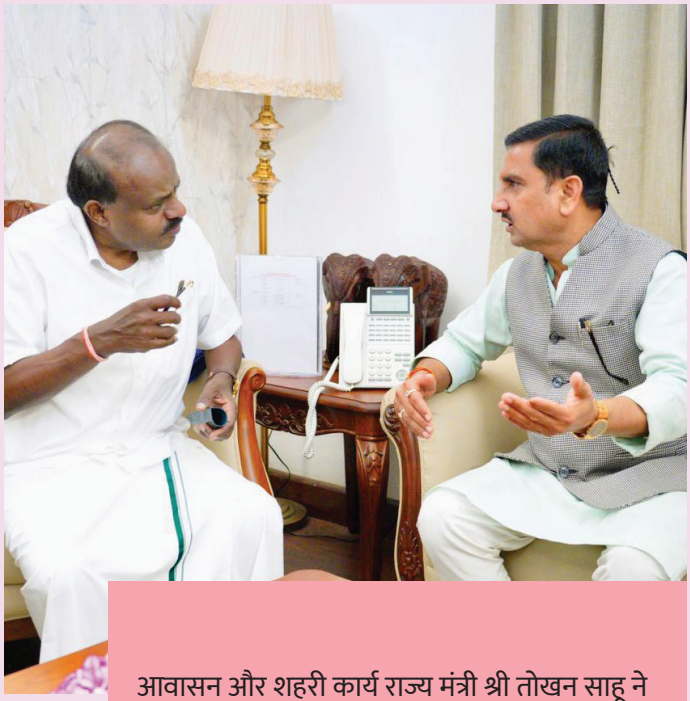

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 12 मार्च 2026 को भारी उद्योग और लोक उद्यमों के केंद्रीय मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी से शिष्टाचार भेंट की और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर सार्थक चर्चा की।

राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति (NARC)

राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की 17वीं एवं 18वीं बैठक (9 मार्च 2026 एवं 27 मार्च 2026)

एसबीएम-यू 2.0 के लिए 17वीं एवं 18वीं NARC बैठक 9 मार्च और 27 मार्च 2026 को MoHUA के सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। 17वीं NARC के तहत MoHUA द्वारा उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, हरियाणा और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। 18वीं NARC के अंतर्गत 20 राज्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। साथ ही डंपसाइट रेमेडिएशन एक्सेलेरेशन प्रोग्राम (DRAP) एवं क्लीन हिमालयन एंड हिल सिटीज इनिशिएटिव (CHHCI) के तहत भी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में भाग लेने वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिव (शहरी विकास) और राज्य मिशन निदेशक उपस्थित रहे।

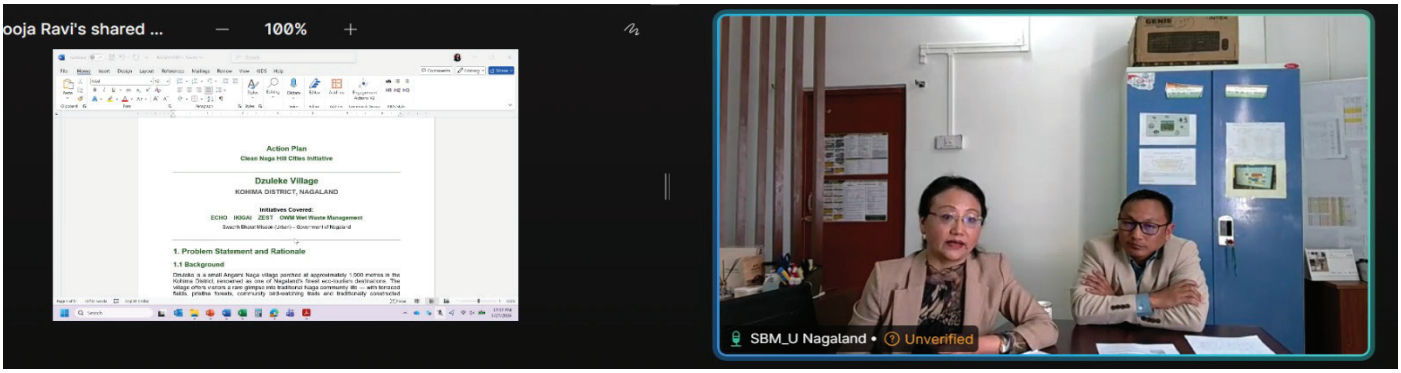

नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 1 अप्रैल से प्रभावी

नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हो गए हैं, जिनमें कचरे के पृथक्करण, संग्रहण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार निपटान प्रथाओं में सुधार के लिए अद्यतन दिशा-निर्देश शामिल किए गए हैं। ये नियम घरों, व्यवसायों और स्थानीय प्राधिकरणों की अधिक जवाबदेही पर जोर देते हैं, ताकि कुशल अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके और सतत विकास को बढ़ावा मिले।

- अपशिष्ट उत्पादकों को कचरे को चार श्रेणियों में अलग करना होगा (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाला कचरा)
- शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को इन चारों अपशिष्ट श्रेणियों का पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा।
- विस्तारित बल्क वेस्ट जनरेटर जिम्मेदारी (EBWGR) के माध्यम से बड़े कचरा उत्पादकों (BWGs) और उनके प्रबंधन की स्पष्ट जिम्मेदारियां तय की गई हैं
- प्रदूषण करने वालों से जुर्माना वसूलने और पर्यावरण के नुकसान की भरपाई कराने की व्यवस्था।
- औद्योगिक इकाइयों में कचरे से बने ईंधन (RDF) के उपयोग का अनिवार्य प्रावधान
- केंद्रीकृत पोर्टल पर संपूर्ण SWM चेन का पंजीकरण और निगरानी
- असंसाधित अपशिष्ट और C&D अपशिष्ट के लिए शुल्क आधारित सैनिटरी लैंडफिल का संचालन
- सभी लोगों से यूजर फीस ली जाएगी, और शहर में आने वाले पर्यटकों की संख्या भी कचरा प्रबंधन की सुविधा के हिसाब से नियंत्रित की जा सकती है।
- मंत्रालयों, विभागों, CPCB/ SPCB/ PCC और शहरी स्थानीय निकायों के लिए स्पष्ट जनादेश और कर्तव्य
- कम्पोस्टिंग, कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों/ बायोडाइजेस्टर और डंपिंग ग्राउंड में आग लगने से बचाने के लिए नियम बनाए गए हैं।

गीला

सूखा

सैनिटरी

विशेष देखभाल वाला कचरा

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 का फील्ड मूल्यांकन शुरू

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के तहत फील्ड मूल्यांकन टीमों ने 25 अप्रैल 2026 से जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, जो 31 मई 2026 तक पूरा किया जाएगा। निष्पक्ष, पारदर्शी और सुदृढ़ मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता आश्वासन के साथ-साथ विशेष क्या करें और क्या न करें से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश ULBs, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मार्गदर्शन हेतु साझा किए गए हैं।

एसबीएम-अर्बन पोर्टल, स्वच्छता ऐप और राष्ट्रीय प्लेटफार्म के साथ एकीकृत शहर या राज्य स्तरीय एप्लीकेशनों के माध्यम से पूरे वर्ष नागरिकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करना संभव हो गया है।
स्वच्छ सर्वेक्षण के 10वें संस्करण का शुभारंभ माननीय मंत्री, MoHUA द्वारा 20 दिसंबर 2025 को किया गया था। टूलकिट 29 जनवरी 2026 को साझा की गई थी और ULB प्रशिक्षण 3 से 5 फरवरी 2026 तक आयोजित किए गए थे।

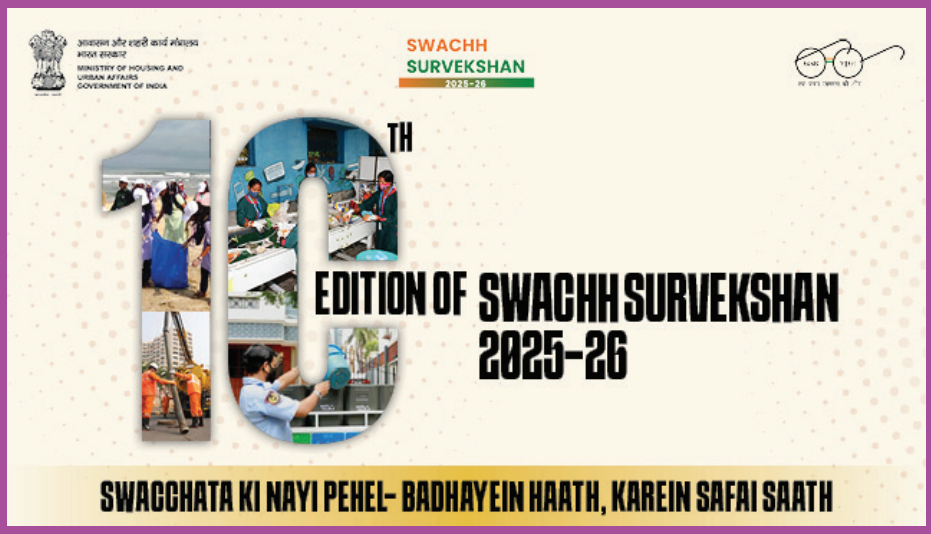

कार्यान्वयन को गति देने हेतु MoHUA का प्रोत्साहन

SBM-U 2.0 के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा करने और मिशन की गतिविधियों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए रणनीतियां तैयार करने हेतु, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA), संकल्प भवन, नई दिल्ली में विभिन्न राज्यों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। श्रीमती रूपा मिश्रा, संयुक्त सचिव, SBM, MoHUA की अध्यक्षता में आयोजित इस राज्य समीक्षा बैठक के मुख्य फोकस क्षेत्रों में वित्तीय प्रबंधन, प्रमुख कार्यान्वयन पैरामीटर, क्षमता निर्माण, IEC (सूचना, शिक्षा और संचार) से संबंधित प्रयास, नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम और प्रौद्योगिकी एकीकरण शामिल हैं।

अन्य राज्यों की बैठकें 16 अप्रैल - चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और दिल्ली; 17 अप्रैल - असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और 21 अप्रैल 2026 - झारखंड, केरल, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक के लिए प्रस्तावित हैं।

7 अप्रैल, 2026

GUJARAT

BIHAR

MAHARASHTRA

RAJASTHAN

GOA

8 अप्रैल, 2026

WEST BENGAL

CHHATTISGARH

ODISHA

10 अप्रैल, 2026

TAMIL NADU

TELANGANA

MADHYA PRADESH

ANDHRA PRADESH

16 अप्रैल, 2026

DELHI

PUDUCHERRY

CHANDIGARH

ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

LADAKH

17 अप्रैल, 2026

Jammu & Kashmir

Sikkim

Tripura

Assam

Manipur

Mizoram

Meghalaya

Nagaland

Arunachal Pradesh

23 अप्रैल, 2026

SBM-U, Kerala

SBM-U, Jharkhand

SBM-U, Karnataka

SBM-U, Uttarakhand

SBM-U, Punjab

SBM-U, Uttar Pradesh

SBM-U, Haryana

SBM-U, Himachal Pradesh

प्लैनेट और प्रोस्पैरिटी पर SDG बुलेटिन रिपोर्ट

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने 18 मार्च 2026 को पटना, बिहार में आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के दौरान दो थीम आधारित SDG बुलेटिन जारी किए: (i) SDG के तहत पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना, और (ii) SDG के माध्यम से भारत के आर्थिक परिवर्तन के जरिए समृद्धि प्रदान करना। इस वर्कशॉप का उद्देश्य था सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDGs) के मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क, पर्यावरण खातों का संकलन और लिंग-सांख्यिकी पर प्रशिक्षण देना।

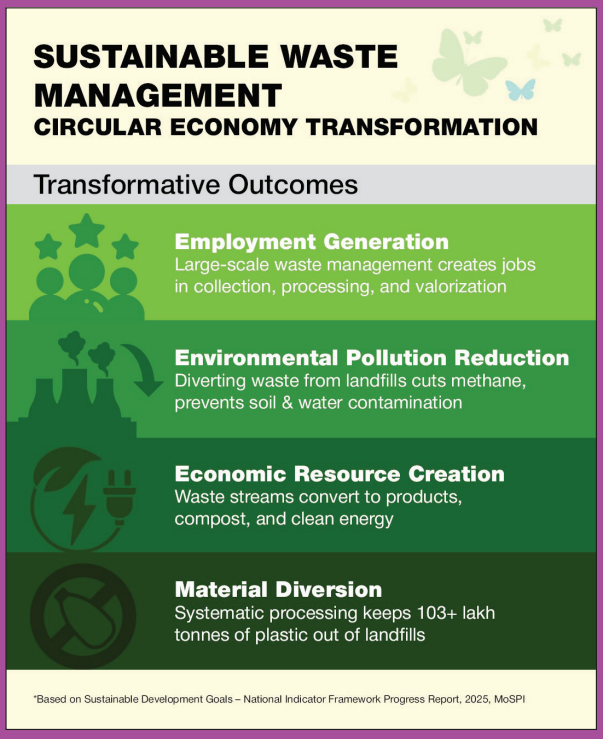

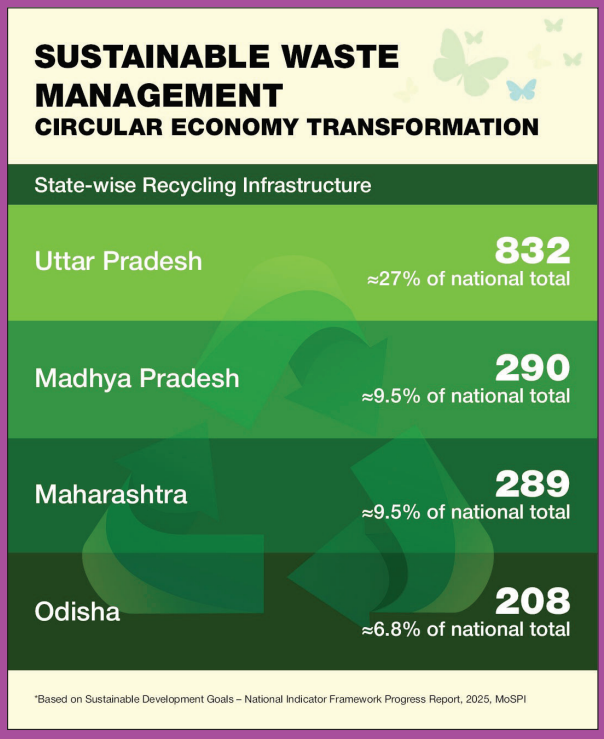

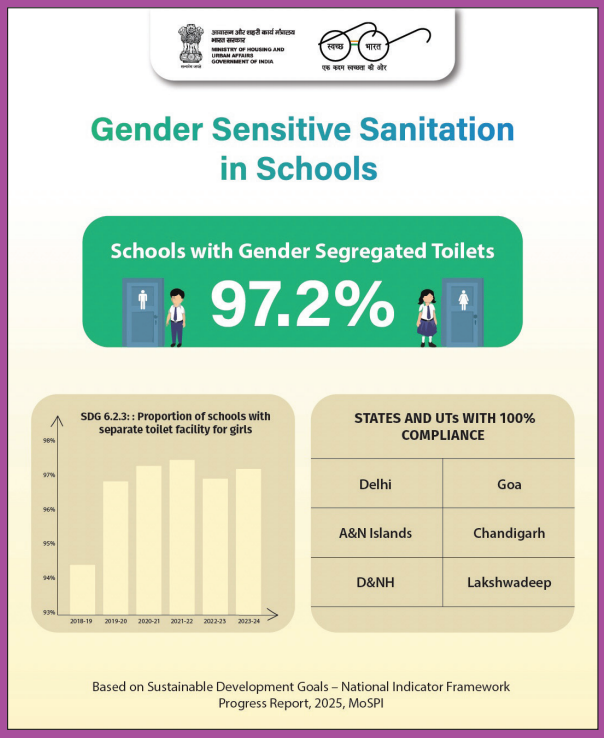

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

India's Economic Transformation through the SDGs

India's Waste Management Revolution

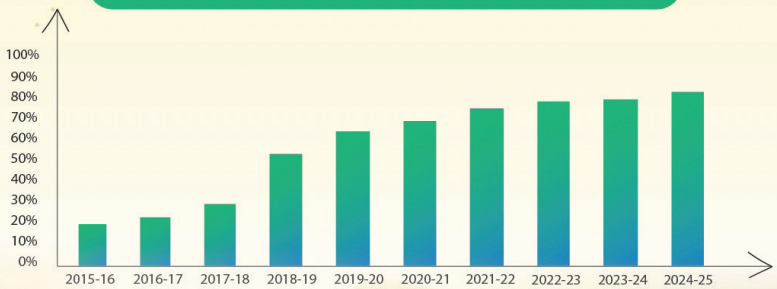

SDG 11.6.1: Percentage of waste processed

Based on Sustainable Development Goals – National Indicator Framework Progress Report, 2025, MoSPI

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

India's Economic Transformation through the SDGs

India's Waste Management Revolution

PERFECT PERFORMERS (100%)

Chandigarh	Chhattisgarh	Ladakh

EXCEPTIONAL TIER (95.0–99.9%)

Kerala (99.9%)	Madhya Pradesh (99.8%)	Himachal Pradesh (99.7%)
Tripura (99.1%)	Telangana (97.7%)	Odisha (97.4%)
Uttar Pradesh (97.1%)	Maharashtra (95.1%)	NCT of Delhi (95.0%)

Based on Sustainable Development Goals – National Indicator Framework Progress Report, 2025, MoSPI

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत

INDIA'S ECONOMIC TRANSFORMATION THE SDGs

Door-to-Door Waste Collection

India's D2D waste collection coverage rose from **43%** in 2015–16 to **97.7%** in 2024–25

Improvement Rate: **+127%** 2015–16 to 2024–25

Based on Sustainable Development Goals – National Indicator Framework Progress Report, 2025, MoSPI

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत

INDIA'S ECONOMIC TRANSFORMATION THE SDGs

Door-to-Door Waste Collection

State Performance Overview

PERFECT PERFORMERS (100%)	EXCEPTIONAL PERFORMANCE STATES (99-99.9%)
• Kerala • Chandigarh • Ladakh • Delhi • Goa • Dadra & Diu • Chhattisgarh • Odisha • Mizoram • Sikkim • Andaman & Nicobar Island	• Madhya Pradesh • Jammu & Kashmir • Telangana • Tamil Nadu • Maharashtra • Haryana • Punjab • Manipur • Uttarakhand • Gujrat

Based on Sustainable Development Goals – National Indicator Framework Progress Report, 2025, MoSPI

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छ भारत

India's Waste Management Revolution

Environmental & Climate Co-Benefits

Climate Action
- Organic waste processing cuts methane emissions
- Large-scale diversion cuts CO_2e annually

Land & Ecosystem Protection
- Legacy dumpsites restored via biomining
- Cuts soil and groundwater contamination
- Reduced landfill expansion and environmental risks

Circular Economy Impact
- Recovered recyclables boost secondary markets
- Reduced virgin resource extraction
- Recycling and remanufacturing create green jobs

Based on Sustainable Development Goals – National Indicator Framework Progress Report, 2025, MoSPI

ग्राउंड एक्शन

स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में राज्य-स्तरीय नीतिगत प्रगति

Maharashtra Cabinet Clears CBG Policy 2026, ₹500 Crore Push For Green Waste Management

Delhi

CM proposes cloth bank at city's metro stations

Swachhta Pakhwada: A Fortnight of Commitment to Cleanliness, Hygiene at Jammu AIIMS

Odisha

New policy to promote use of treated wastewater

Punjab

PPCB trains over 13k waste workers to curb open waste burning

Chhatrapati Sambhajinagar

1k tonnes of garbage collected as CSMC operates new waste collection system

MCD's plan: Garbage won't touch the ground

लेगेसी वेस्ट रेमेडिएशन

कचरा-स्थल से सामुदायिक केंद्र तक: देपालपुर की वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन सफलता

देपालपुर डंपसाइट, जो लगभग पांच साल पहले आवंटित की गई थी, उस पर इस अवधि के दौरान लगभग 1,250 मीट्रिक टन लेगेसी वेस्ट जमा हो गया था। इसे ध्यान में रखते हुए, 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल के तहत इंदौर नगर निगम और देपालपुर नगर परिषद ने संयुक्त रूप से 'मिशन जीरो लेगेसी वेस्ट' लागू किया। वैज्ञानिक उपचार (रेमेडिएशन) प्रक्रियाओं के माध्यम से, डंपसाइट को पूरी तरह से उपचारित किया गया है और लक्षित परिणाम सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया है।

इस प्रक्रिया में इंदौर के 500 से अधिक कचरा बीनने वालों को लगाया गया था, जबकि देपालपुर ने डंपर और JCB सहित मशीनरी तैनात की थी। साइट पर व्यवस्थित छंटाई के माध्यम से, लगभग 4.5 टन पुनर्चक्रण योग्य सामग्री (प्लास्टिक, धातु, कांच, आदि) बरामद

की गई और अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को बेच दी गई। इसके अतिरिक्त, लगभग 50-60 टन RDF सामग्री इंदौर में NEPRA संयंत्र में भेजी गई, जहां इसे टुकड़ों में काटा गया और आगे सह-प्रसंस्करण के लिए सीमेंट संयंत्रों में भेजा गया। संग्रह, छंटाई, वैज्ञानिक प्रसंस्करण और अधिकृत माध्यमों से निपटान की पूरी श्रृंखला को एक व्यवस्थित और कुशल तरीके से पूरा किया गया।

रेमेडिएशन का काम पूरा होने के बाद, देपालपुर नगर परिषद अब साइट पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस स्थान को खेल आयोजनों (क्रिकेट), नागरिकों के जुड़ाव वाले कार्यक्रमों और 'टिफिन पार्टी' जैसे सामाजिक आयोजनों के माध्यम से एक सकारात्मक सार्वजनिक स्थान के रूप में विकसित किया जाएगा।

आगरा का लैंडफिल से लैंडमार्क तक का सफ़र

एसबीएम-यू 2.0 के तहत, आगरा नगर निगम ने रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल के सिद्धांतों के माध्यम से कुबेरपुर डंपसाइट का कायाकल्प करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

2007 में एक लैंडफिल के रूप में स्थापित, जहां प्रतिदिन हजारों टन कचरा आता था, यह स्थल समय के साथ पर्यावरणीय रूप से खतरनाक हो गया था। 2019 में, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में, स्पैक सुपर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के तकनीकी सहयोग से बायोरेमेडिएशन और बायोमाइनिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक रेमेडिएशन शुरू किया गया। वर्तमान कचरे के प्रबंधन के लिए, 2019 में 300 TPD क्षमता का वेस्ट-टू-कंपोस्ट प्लांट स्थापित किया गया, जिसे बाद में बढ़ाकर 500 TPD कर दिया गया। 2023 में, शहर ने डंपसाइट को पूरी तरह से पुन: प्राप्त करने और इसे एक एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर (Integrated Waste Management City) के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया।

प्रणाली को मजबूत बनाते हुए, 405 TPD की संयुक्त क्षमता वाले 4 सामग्री रिकवरी केंद्र (MRFs) स्थापित किए गए, साथ ही 100% स्रोत पृथक्करण और अलग-अलग किए गए कचरे का अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर संग्रहण सुनिश्चित किया गया। अन्य विशेष अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

दिसंबर 2024 तक, ₹320 करोड़ की लागत से लगभग 19 लाख मीट्रिक टन लेगेसी वेस्ट को संसाधित किया गया, जिससे लगभग 47 एकड़ भूमि पुन: प्राप्त हुई। इसमें से 10 एकड़ में मियावाकी तकनीक का उपयोग करके हरित क्षेत्र विकसित किया गया, 5 एकड़ को इनर्ट वेस्ट के लिए सेनेटरी लैंडफिल में बदला गया, और शेष भूमि को एक इको-फ्रेंडली क्षेत्र में परिवर्तित किया गया, जिसमें 10 एकड़ का प्रस्तावित शहरी वन भी शामिल है।

जनवरी 2025 में, एक 65 TPD क्षमता का MRF-सह-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र चालू किया गया, जो प्लास्टिक के कचरे को किसानों के लिए सस्ते पानी के पाइपों में रिसाइकिल करता है। आज, यह स्थल 'आगरा के एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर' पहल के स्वरूप में खड़ा है, जो टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी शासन के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है। यह प्रमुख शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए ज्ञान और जागरूकता का केंद्र बनकर भी उभरा है।

स्वच्छ शहर जोड़ी

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) ने क्षमता निर्माण और 'स्वच्छ शहर जोड़ी' के माध्यम से पीयर लर्निंग को मजबूत किया। 72 मेंटर शहरों और 200 मेंटी शहरों ने अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में 1600+ गतिविधियां संचालित की हैं। मेंटर शहरों ने मार्गदर्शन प्रदान किया, एक्सपोजर विजिट आयोजित कीं, क्षमताओं का विकास किया और कई अन्य पहलें कीं।

'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल को सशक्त बनाते हुए, मेंटर शहर अंबिकापुर ने मेंटी शहर बैकुंठ पुर का फील्ड विज़िट किया, जहां प्रमुखतः स्वच्छता और वेस्ट मैनेजमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा की गई।

मेंटर शहर मडगांव ने मेंटी शहर पणजी का दौरा किया, जहां ठोस कचरा प्रबंधन सुविधा, उपचार, कम्पोस्टिंग और सब्जी कम्पोस्टिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। 16-प्रकार के कचरा पृथक्करण की जानकारी के लिए एमआरएफ सेंटर (Material Recovery Facility) का भी दौरा किया गया।

ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने मंथनी नगरपालिका का दौरा किया, जिसमें स्वच्छता प्रणालियों को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर मार्गदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें स्टाफ की क्षमता निर्माण, कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी शामिल रही।

सूरत नगर निगम ने मेंटी शहरों—मांडवी, पालिताना, वल्लभीपुर, चलाला और सावरकुंडला—की मेजबानी की। इस दौरान एक उपयोगी साइट विज़िट आयोजित की गई, जिसमें सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारी समाधानों और स्वच्छता में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया गया।

मेंटर शहर भोपाल ने मेंटी शहर बेरासिया को 4 कचरा संग्रहण वाहन, 4 साइकिल रिक्शा और 5 हैंडकार्ट उपलब्ध कराए, ताकि 100% कचरा पृथक्करण, संग्रहण और परिवहन को सुदृढ़ किया जा सके।

जम्मू नगर निगम ने पंपोर और चरार-ए-शरीफ से आए अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक गहन तकनीकी एक्सपोज़र विज़िट की मेजबानी की। इस दौरे का उद्देश्य ज्ञान साझा करना और तकनीकी सीख व सहयोग के माध्यम से अर्बन सैनिटेशन प्रैक्टिस को सुदृढ़ करना था।

मेंटर शहर नवी मुंबई ने मेंटी शहरों—लोणार, मलकापुर, काइज, कन्नड़ और जिंतूर—के लिए एक ज्ञानवर्धक ई-वर्कशॉप आयोजित की। इस सत्र में स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रगति को तेज करने के लिए नवाचारी सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतिक दृष्टिकोणों का प्रदर्शन किया गया।

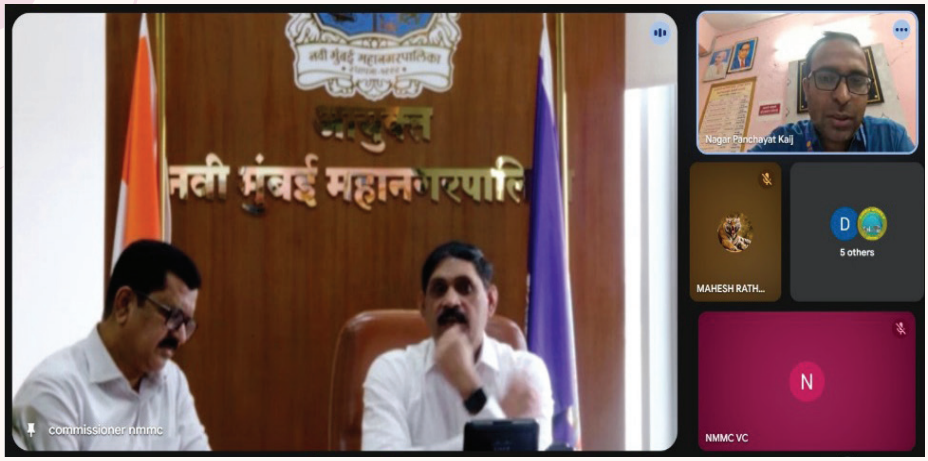

Naari
Leads Swachhata

महिलाओं ने समुदायों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रयासों को आगे बढ़ाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई। एसबीएम-यू की 'नारी लीड्स स्वच्छता' पहल का उद्देश्य स्वच्छता में महिलाओं के नेतृत्व को उजागर करना और उसका सम्मान करना था, जिसके अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों (SHGs), गैर-सरकारी संगठनों (NGOs), स्वच्छता कर्मियों, सामुदायिक नेताओं और व्यक्तिगत परिवर्तनकर्ताओं के योगदान को मान्यता दी गई, जिन्होंने जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव लाया। स्थानीय स्तर पर प्रेरणादायक और संबंधित रोल मॉडल्स को प्रदर्शित करके, इस अभियान ने स्वच्छता पहलों में अधिक सामुदायिक भागीदारी और स्वामित्व को प्रोत्साहित किया। अंततः, इसने स्वच्छता को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में स्थापित किया, जिसे महिलाओं के नेतृत्व, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों द्वारा मजबूत और टिकाऊ बनाया गया। यह पहल 8 से 14 मार्च 2026 तक आयोजित की गई।

उद्देश्य

- स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं का नेतृत्व
- स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों, स्वच्छता कर्मियों आदि को सम्मानित करना
- स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं का नेतृत्व
- संबंधित और स्थानीय प्रेरणादायक आदर्श व्यक्तियों को प्रदर्शित करना

कैंपेन इंपैक्ट

डिजिटल स्पॉटलाइट स्टोरीज

पहल से जुड़ी महिलाएं
3,886

सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई कहानियां
28, 857

सफाईमित्र सुरक्षा कहानियां

सफाईमित्र सुरक्षा शिविर **23,611**

लाभान्वित महिला सफाईमित्र-
3,14,011

स्वयं सहायता समूहों का क्षमता निर्माण

गतिविधियां आयोजित **22,135**

6,48,967
महिलाओं ने भाग लिया

Women SafaiMitra Suraksha Shivir

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रयागराज में नगर निगम की स्वच्छता टीम 25 से अधिक जागरूकता सत्रों के माध्यम से 3,500 से अधिक महिलाओं तक पहुंच बनाई। साथ ही नारी लीड्स स्वच्छता के तहत महिला सफाई मित्रों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर और अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिससे 200 से अधिक प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश

स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा परामर्श और स्वच्छता जागरूकता प्रदान करते हुए, ग्रेटर विशाखापत्तनम ने मर्रीपालेम में महिला स्वच्छता कर्मचारियों के लिए एक सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया।

गुवाहाटी, असम

गुवाहाटी नगर निगम ने फैंसी बाजार स्थित जीएमसी मार्केट में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमें कैंसर और आंखों की जांच के साथ-साथ टीबी और हेपेटाइटिस बी की जांच भी की गई।

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

On the occasion of #WorldWaterDay, a cleanliness drive was conducted by DLSA with the support of BeMC. The waterbody near the sports arena was restored through collective efforts. #SwachhBharat #GarbageFreeCities.

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

सलाम उन नायिकाओं को जो हर सुबह शहर की सड़कों को स्वच्छ बनाती हैं। तारा देवी उन्हीं में से एक हैं, जो निस्वार्थ भाव से हर दिन अपनी जिम्मेदारी को तत्परता से निभाती हैं। आइए उनके योगदान को सम्मान दें और उनकी कहानी से प्रेरणा लें।
#NaariLeadsSwachhata

Swachh Bharat Urban
@SwachhBharatGov

बस्ती बेमिसाल अभियान !

इंदौर की 29 स्लम बस्तियों में 17 से 23 मार्च तक बस्ती बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है। इसका शुभारंभ वार्ड 31 के शिवनगर से महापौर एवं आयुक्त द्वारा किया गया। स्वच्छता, विकास और बेहतर जीवन की ओर एक मजबूत कदम! #SwachhBharat se #SwachhAadat #GarbageFreeCities

sbmurbangov
5 days ago

26

sbmurbangov Wealth Centres are helping cities manage waste efficiently, with Swachhkarmis playing a key role in segregation & processing in Odisha's Sambalpur. Kudos!!! #GarbageFreeCities #SwachhBharat @smc_sambalpur @hudd_odisha @cmo_odisha @mohua_india @mlkhattar @officeofmanoharlal @tokhansahu_bjp @pibindia @mib_india @mygovindia less

sbmurbangov
2 days ago

9

sbmurbangov Cantonment Underpass gets a vibrant refresh as Bengaluru Central City Corporation and BSWML, joined by students and volunteers, transform neglected spots into lively public spaces. Showcasing a shared commitment to cleaning #CTUs. #swachhaadat se #swachhbharat

@mohua_india
@mlkhattar
@tokhansahu_bjp @pibindia
@gba_office less

sbmurbangov
18 February

59 5

sbmurbangov Together in service, united for cleanliness. ✨
Post-celebration cleaning at Lingaraj Temple was swiftly carried out by the dedicated officers and sanitation teams with full commitment and pride.
#SwachhAadat se #SwachhBharat
@bmc.bbsr @hudd_odisha @cmo_odisha @mlkhattar

Swachh Bharat Mission - Urban
March 14 at 3:54 PM

As part of Naari Leads Swachhata, Jaipur Municipal Corporation hosted felicitation event at Albert Hall, Ram Niwas Garden. Hon'ble CM Bhajan Lal Sharma felicitated Mahi... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
February 27 at 5:32 PM

Nagaon Municipal Board, with Shristi and NCAP, is developing a "Waste to Wonder Park" in Assam by creatively repurposing old tyres and eco-bricks. The initiative transforms waste into vibrant public spaces, showcasing urban beauty while promoting sustainability. #SwachhBharat Nagaon Municipal Board • নগাঁও পৌৰসভা Swachh Bharat Mission Urban, Assam CMO Assam Ministry of Housing and Urban Affairs Manohar Lal Tokhan Sahu Press Information Bureau - PIB, Government of India Press Information Bureau - PIB, Government of India Ministry of Information & Broadcasting, Government of India MyGovIndia

Swachh Bharat Mission - Urban
February 24

Around 750 volunteers participated in a large-scale cleanup drive at Uttan Beach under a joint initiative by Mira-Bhayandar's Team Swachh and Sant Nirankari Mission, collecting nearly 40 tonnes of plastic and waste. The collected waste was promptly sent for safe disposal. #SwachhBharat #GarbageFreeCity MBMC- Mira Bhaindar Municipal Corporation CMOMaharashtra Swachh Maharashtra Mission - Urban Ministry of Housing and Urban Affairs Manohar Lal Tokhan Sahu Press Information Bureau - PIB, Government of India Ministry of Information & Broadcasting, Government of India MyGovIndia

स्वच्छता खबरों में

Now, the cleanest city to adopt best practices of other urban bodies

Our Staff Reporter

INDORE

Determined to retain its top position as India's cleanest city for the ninth time in a row, Indore has stepped up its sanitation drive by introducing a new ward-level cleanliness ranking system and launching digital initiatives inspired by best practices from other leading cities.

A "Cleanliness Practice Session and Clean Ward Ranking Orientation Workshop" was organised on Monday at the RRR Centre, Kesarbagh. The programme was attended by Mayor ...

Mayor Pushyamitra Bhargav along with others poses for a photo alongside a replica of tank made of used tyres at RRR Centre at Keshrabagh on Monday.

many more are in the pi... ...nd sanitation of public spaces. ... Municipal officials said the ...stem is designed to promote ...ealthy competition among ...rds and ensure equal clean...ess standards across all area...

इंदौर — दैनिक सत्तावादी (जनता से सत्ता तक की खबर)

स्वच्छता रैंकिंग के लिए नगर निगम ने नवाचार शुरू कर दिए हैं। शहर की सड़कें तो साफ होती हैं। अब बेकलेन को भी सुंदर बनाया जा रहा है। वहाँ योग, क्रिकेट जैसी गतिविधियां हो रही हैं। पिछले साल तिलक नगर की बेकलेन में पोहा पार्टी हुई थी।

जिस बेकलेन में पड़ा रहता था कचरा, उसे साफ कर मेयर ने रहवासियों के साथ खेला क्रिकेट

सत्तावादी रिपोर्टर » इंदौर

स्वच्छता रैंकिंग के लिए नगर निगम ने ... शुरू कर दी है। पहले इंदौर की ... सफाई पर फोकस किया जा रहा ... ज्यादा गंदी रहती हैं। सौंदर्यीकरण ... फिर गंदी न हो पाएं, इसके लिए ... भी रंग दे बेकलेन मुहिम से जोड़ा ... सिलसिले में शनिवार को मेयर ... धनवंतरी नगर पहुंचे। यहां की ... जिसकी पहले सफाई की गई। फिर ... पेंट किया गया और पौधों से उसे ... अब इतनी साफ हो गई कि सुबह ... रहवासियों के साथ योग किया ... साथ क्रिकेट भी खेला।

20 से ज्यादा बेकलेन साफ

दीवारें बोलेंगी स्वच्छता ...

प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने की पहल, नगर पालिका ने दुकानदारों को बांटे कपड़े के बैग

सत्यनारायण शर्मा

डेगाना। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के ...

नगर निगम प्रयागराज — मीडिया कवरेज

नारी लीड्स स्वच्छता कार्यक्रम का समापन महिला सफाई मित्रों का सम्मान

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के निर्देशानुसार प्रयागराज नगर निगम द्वारा 08 मार्च 2026 से 14 मार्च 2026 तक चलाए गए +नारी लीड्स स्वच्छता कार्यक्रम+ के अंतिम दिवस पर नगर निगम मुख्यालय सभागार में महिला सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन नोडल एवं सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में महिला सफाई मित्रों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह चिकित्सा शिविर नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं पैथोहेम के तुषार के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 महिला कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के विषय में जागरूक भी किया गया। द्वितीय सत्र में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं सनातनी किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी द्वारा विभिन्न वार्डों से चयनित उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में महिला सफाई मित्रों के योगदान को सराहते हुए कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहर के निर्माण में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और समाज को उनके कार्यों का सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक एवं हृष्ट हेड कृष्ण कुमार मौर्य ने बताया कि 08 मार्च से 14 मार्च तक पूरे शहर में नारी लीड्स स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान 3500 से अधिक महिलाओं को अभियान से जोड़ा गया तथा 25 से अधिक जन-जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर, सेनेटरी पैड वितरण, स्वच्छ सारथी क्लब की सहभागिता, त्रक्कसेंटर का संचालन, राष्ट्रीय सेवा योजना की बालिकाओं एवं हृष्ट कैडेट्स की भागीदारी के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर नगर निगम प्रयागराज के साथ कार्यरत श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस, इंदौर से रोहित चंदेल, रजत जाटव, प्रति सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला सफाई मित्र एवं डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एजेंसी से जुड़ी महिलाएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में अशोक पटेल द्वारा सभी अतिथि एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

How waste management works under new 'Anupam' model

Suruchi Kumari

NEW DELHI

Following the New Delhi Municipal Council (NDMC) decision to remove the need to transport household waste, six residential colonies have emerged as test cases for decentralising waste management.

Named 'Anupam colonies', these neighbourhoods now segregate and process waste at source.

According to Rajeev Kumar Jain, NDMC Advisor (Solid Waste Management), the Anupam Colony project is meant to serve as a model for sustainable urban living. "It is the visi... of NDMC chairperso... Keshav Chandra to decla... every colony as an An...pam Colony by shifting from traditional cleaning to mechanised systems, and processing wet and horticultural waste at decentralised composting units," Mr. Jain told *The Hindu*. The Hindi word 'Anupam' was chosen by Mr. Chandra to reflect "the ...

A worker going door to door for waste collection in Kaka Nagar. SHASHI SHEKHAR KASHYAP

...del, waste is segregated at source into wet, dry and sanitary waste. Dry waste is further sorted into many categories. Wet waste is composted on site, along with horticultural waste, using wire-mesh composting bins placed in parks and green belts, eliminat...

...tral Pollution Control Board-authorised recyclers, Mr. Jain said.

On-site processing

Sanitary inspectors overseeing these colonies said segregation levels earlier hovered between 60% and 70%. "Now it is 100%," said Sandeep Locha, a sanitary inspector at Bapu Dham colony, crediting the measures such as door-to-door awareness drives, regular meetings with residents' welfare associations (RWAs), and penalties for mixed waste.

Each Anupam Colony has dedicated sanitation inspectors and additional ...

...chines. In four colonies, door-to-door waste collection and segregation is handled by RWA-appointed workers.

In one colony, an NGO manages segregation and disposal while in another, residents dispose of the waste themselves.

Workers involved in waste collection said that while most households now hand over segregated waste, they still sort it further to separate recyclables. Some flats in Chanakyapuri were among the first to be declared Anupam Colony in June 2025.

Thirteen wire-mesh composters and 10 horticulture pits have been in... ...nd

कार्यशाला • नगर पालिका में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की

स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

भास्कर न्यूज़|टोडाभीम

महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पालिका क्षेत्र में कार्यरत महिला स्वयं सहायता समूहों की लगभग 50 महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ भारत मिशन के अभियंता रूपसिंह बैरवा ने उपस्थित महिलाओं को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि हर व्यक्ति अपने घर और आसपास की साफ-सफाई का ध्यान रखे तो पूरा शहर स्वच्छ और स्वस्थ बन सकता है। उन्होंने महिलाओं को सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया। रूपसिंह बैरवा ने एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी देते हुए महिलाओं से इसका उपयोग बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है, इसलिए इसके स्थान पर कपड़े या अन्य योग्... सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए। कार्यशाला के दौरान महिलाओं को घर में प... अनुपयोगी वस्तुओं के सदुपयोग बारे में भी बताया गया। उन्हें प्रे... किया गया कि वे घर में बेकार ... चीजों से उपयोगी वस्तुएं ब... जिससे न केवल कचरा कम ... बल्कि घरेलू स्तर पर रोजग... नए अवसर भी पैदा होंगे।

साथ ही महिलाओं को ... बताया गया कि घर में अ... सामग्री को नगर पालिका ... के पास स्थित मुख्यमंत्री स... केंद्र में जमा कराया जा सकत...

टोडाभीम। कस्बे के पालिका कार्यालय सभागार में कार्यशाला हुई।

14 तक चलने वाले महिला सप्ताह का हुआ आगाज

महिला दिवस पर हुए कार्यक्रम में शामिल महिलाएं। स्रोत : नगर निगम

बरेली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन टीम की ओर से रविवार से 14 मार्च तक चलने वाले नारी स्वच्छता लीड्स मिशन शक्ति 5.0 अभियान का शुभारंभ किया गया। नगर आयुक्त संजीव मौर्य के निर्देशानुसार पहले दिन हाजियापुर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें 500 से अधिक कचरा बीनने ...

A new compact to reshape India's cities

SRINIVAS KATIKITHALA

INDIA'S URBANISATION story is entering a decisive phase. Cities today account for a dominant share of the country's GDP, host its most dynamic economic clusters and increasingly shape the quality of life of millions. Yet they also face persistent infrastructure deficits, climate vulnerabilities, fiscal constraints and institutional fragmentation. The challenge is to urbanise productively, sustainably and inclusively.

The recently approved Urban Challenge Fund (UCF) represents a significant shift. With a central assistance outlay of Rs 1 lakh crore over FY 2025–26 to FY 2030–31, and a design expected to catalyse nearly Rs 4 lakh crore of total investment, the fund marks a transition towards a market-linked, reform-driven and outcome-oriented framework for urban infrastructure.

Central assistance is capped at 25 per cent of project cost, and cities must mobilise at least 50 per cent from market sources. The rest may come from states, urban local bodies or other channels. This signals that urban infrastructure must increasingly access capital markets through bankable, revenue-backed projects.

The UCF is structured around three verticals. The first, cities as growth hubs, supports integrated spatial and transit planning, infrastructure along economic corridors, and the development of economic anchors such as industrial, tourism or logistics clusters. The objective is not merely to build assets but to enhance competitiveness and productivity.

The second, creative redevelopment of cities, addresses the congestion and decline of historic cores and central business districts. By encouraging brownfield regeneration, transit-oriented development and the reorganisation of public land, the fund seeks to unlock value within existing urban footprints.

The third is water and sanitation, emphasising service saturation, wastewater reuse, flood mitigation and remediation of legacy waste sites. Climate resilience is woven into this framework.

One of the most innovative elements is the Rs 5,000-crore Credit Repayment Guarantee Scheme. For the first time, smaller urban local bodies — particularly those with populations below 1 lakh, along with cities in hilly and northeastern states — are being enabled to access market finance with structured central guarantees.

Access to central assistance is contingent on reforms. Cities are expected to improve creditworthiness, strengthen asset management systems, digitise service delivery, enhance operational efficiency and adopt integrated land use and mobility planning frameworks.

The UCF also redefines the role of the private sector. By mandating market financing and encouraging structured risk-sharing arrangements, it opens the door for deeper private participation in design, financing and operations.

Project preparation support, transaction advisory assistance and digital monitoring systems are intended to strengthen project viability and investor confidence. If implemented effectively, this could deepen India's municipal bond market and broaden the financing base for urban infrastructure.

The Ministry of Housing and Urban Affairs has positioned the UCF within a broader ecosystem. States, urban local bodies, financial institutions, credit rating agencies and private developers are expected to engage through a competitive challenge-based process that rewards readiness and innovation.

The UCF reframes urbanisation as an investment opportunity to be leveraged. By embedding market discipline, reform incentives and measurable outcomes into its design, it seeks to drive the next phase of India's urban transformation.

The writer is secretary, Ministry of Housing and Urban Affairs

---

इंदौर के फिर नंबर-1 की दौड़ में तेज़ कदम, अभिमुखीकरण कार्यशाला

पार्षदों का स्वच्छता अभ्यास वर्ग शुरू, हर वार्ड में चलेगा 'क्लीन मिशन' मिलेगी रैंक

स्वच्छ वार्ड रैंकिंग 2025-26- हर दिन अपडेट

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर जोर

शहरों को ग्रोथ का इंजन बनाने में मददगार होगा UCF

भारत में शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में शहरों का योगदान है। शहर अब रोजगार, उद्योग और विकास के ... रुपये देगी। इससे 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश जुटाने की उम्मीद है। यह कोष महज अनुदान देने के लिए नहीं, बल्कि ठोस और प्रभावी नतीजे के लिए है। ... गारंटी पर कर्ज लेने का मौका मिलेगा। UCF के तहत केंद्रीय सहायता पाने के लिए शहरों को शासन, वित्त और नियोजन सुधार करने होंगे।

श्रीनिवास कटिकिथला

निजी क्षेत्र की बढ़ेगी

स्वच्छ वार्ड के साथ स्वच्छता कार्य में सहयोग देने वाले नागरिक भी होंगे सम्मानित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने की जिम्मेदारी सफाई मित्रों के साथ साथ शहर के नागरिकों की भी है ... सम्मानित करेगा। स्वच्छता ग्राही द्वारा निगम के अमले के साथ तथा अपने रहवासी क्षेत्र में स्वच्छता के लिये किए गए प्रयास की स्टोरी निम्न बिंदुओं पर बना कर भेज सकते है जैसे स्वच्छता ... एक स्टोरी बना कर मेल पर या व्हाट्स एप के माध्यम से 7999560750 पर भेज सकते है तथा स्वच्छता के संबंध में अन्य जानकारी के लिए विशाल जोशी से मो.न. 7999560750 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किया गया आयोजन

शिविर में सफाईकर्मियों और दीदियों की हुई स्वास्थ्य जांच

प्रतिनिधि, राजमहल

रंगपंचमी के बाद नगर में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

महापौर अमृता अमर यादव के नेतृत्व में निगम की टीम ने संभाली व्यवस्था

निरंतर जारी रहेगा स्वच्छता

किचन वेस्ट से संवर रही 600 पौधों की बगिया

पर्यावरण संरक्षण

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता।

सिंगल यूज प्लास्टिक को बाय-बाय... इंदौर के स्वच्छता अभियान में महिलाओं की विशेष भूमिका: महापौर

साड़ी पहनकर 500 से ज्यादा वुमंस ने किया वाकेथान

ट्रिपल आर सेंटर एवं वेस्ट टू बेस्ट अभियान की अपील

स्वच्छता के नवाचार की दिशा में 'रंग दे बैकलेन' हुए आयोजन

जिस बैकलेन में होता था रोग, वहां हो रहा है आज योग: महापौर

सिंगल यूज प्लॉस्टिक बंद करने महिलाओं का साड़ी वाकेथान

- महापौर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- इंदौर के स्वच्छता अभियान में महिलाओं की विशेष भूमिका: महापौर

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज शहर की सफाईकर्मी और महिलाओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक को ...

प्रदेश की सभी 413 निकायों में शुरू हुआ सीएम अर्बन सैनिटेशन महा अभियान

जो घर अलग-अलग कचरा देते हैं उन्हें मिलेगा ग्रीन टैग होम का दर्जा

आखिरी फेज पब्लिक टॉयलेट्स के मेंटेनेंस और मॉनिटरिंग पर होगा

वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स के ऑपरेशन को बेहतर बनाएंगे

स्वच्छता चैंपियंस के तौर पर सम्मानित किए जा रहे सफाईकर्मी

अग्निबाण

महिलाओं का साड़ी वॉकेथान... वन्यजीवों को बचाने के लिए चलाई साइकिल

स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ ली

पलासिया से निकली, बच्चों से लेकर ...

महिलाओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिला नेतृत्व स्वच्छता सप्ताह

स्वच्छ भारत मिशन के बारे में अधिक जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें

Swachh Bharat Mission – Urban

@SwachhBharatGov

sbm_urban

Swachh Bharat Urban

swachh-bharat-urban